

16

राजस्थान में 1857 की क्रांति

व्याख्या - 1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्र नसीराबाद, भरतपुर, नीमच, देवली, टॉक, अलवर, अजमेर, एनिपरा, आऊवा, धौलपुर, कोटा।

9. 'अंग्रेजों ने अपनी शापथ भंग की, क्या उन्होंने अवधि पर अधिकार नहीं किया। अतः उहें ये अपेक्षा नहीं करनी चाहिए कि भारतीय अपनी शापथ का अनुपालन करेंगे।' 1857 ईस्वी की क्रान्ति के संदर्भ में यह कथन किसने कहा?

(1) मोहम्मद अली बेग (2) लाला जयदयाल
 (3) महराब खाँ (4) शिवनाथ सिंह (1)

10. 1857 की क्रान्ति के समय नीमच छावनी का सुपरिडेंट कौन था?

(1) मेजर शॉवर्स (2) कप्तान लायर्ड
 (3) कॉटम (4) मेजर बर्टन (2)

व्याख्या - नीमच वर्तमान में मध्यप्रदेश में स्थित है।

11. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर का चुनाव कीजिए:

छावनी	तैनात टुकड़ी
A. नसीराबाद	i. बंगाल नैटिव इन्फैंट्री
B. खैरवाड़ा	ii. फर्स्ट बंगाल केवेलरी
C. एरिनपुरा	iii. मेवाड़ भील कोर
D. नीमच	iv. जोधपुर लीजन

कूट:

A	B	C	D
(1) i	ii	iii	iv
(2) iii	ii	iv	i
(3) ii	iii	i	iv
(4) i	iii	iv	ii

(4)

12. राजस्थान में 1857 की क्रान्ति के प्रमुख कारण कौनसे थे?

(1) राजपूताना के शासकों के साथ सहायक संघियों के बाद अंग्रेजों ने देशी रियासतों के प्रशासन व आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना प्रारंभ कर दिया
 (2) अंग्रेजों के हस्तक्षेप से राज्यों की आय कम हो गई इसलिए शासकों को अपने खर्चों में कटौती करनी पड़ी
 (3) राज्यों के साथ संधियाँ कर नमक व अफीम पर एकाधिकार करना
 (4) उपर्युक्त सभी कथन शामिल हैं। (4)

13. 1857 की क्रान्ति के बारे में कौनसा कथन सत्य नहीं है?

(1) इस समय राजस्थान में अंग्रेजी सत्ता का केंद्र व प्रतीक अजमेर था, अजमेर में गोला-बारूद तथा शस्त्रागार था।
 (2) जयपुर एकमात्र रियासत थी जिसमें राजा के साथ वहाँ की आम जनता ने भी अंग्रेजों का साथ दिया था।
 (3) विद्रोह के समय राजस्थान में स्थित 6 छावनियों में से सबसे शक्तिशाली छावनी 'एरिनपुरा' थी
 (4) इस समय राजस्थान में सरकारी खजाना व अन्य राजकीय संपत्ति अजमेर में थी। (3)

व्याख्या— विद्रोह के समय राजस्थान में 6 छावनियों में से सबसे शक्तिशाली छावनी ‘नसीराबाद’ थी।

29. तांत्या टोपे किस एक रियासत को छोड़कर बाकि प्रत्येक रियासतों में घूमा था?

- | | |
|---------------|--------------|
| (1) बांसवाड़ा | (2) भीलवाड़ा |
| (3) जैसलमेर | (4) टॉक |

30. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर का चुनाव कीजिए:

स्थान	प्रमुख क्रान्तिकारी
A. धौलपुर	i. रामचन्द्र व हीरालाल
B. टॉक	ii. गुर्जर व मेव
C. भरतपुर	iii. मीर आलम खाँ
D. कोटा	iv. मेहराब खाँ

कूट:

- | | | | |
|---------|-----|-----|-----|
| A | B | C | D |
| (1) i | ii | iii | iv |
| (2) iii | ii | iv | i |
| (3) iv | i | ii | iii |
| (4) i | iii | ii | iv |

31. किस अंग्रेज अधिकारी ने केसरीसिंह की ब्रिटिश विरोधी गतिविधियों को देखकर मेवाड़ महाराणा को उसके खिलाफ कारवाई करने के लिए कहा, परन्तु महाराणा उसके खिलाफ करवाई करने का साहस नहीं जुटा सका?

- | | |
|-----------------|---------------------|
| (1) कैटन शावर्स | (2) पैट्रिक लारेन्स |
| (3) मैकमेसन | (4) मोरिसन |

32. 1857 ई. की क्रान्ति के दौरान 'राजस्थान का एकमात्र सुनियोजित संघर्ष' किस राज्य में हुआ?

- | | |
|------------|------------|
| (1) मेवाड़ | (2) भरतपुर |
| (3) कोटा | (4) जोधपुर |

33. जोधपुर लीजन में सुबेदार के पद पर कार्यरत ने 21 अगस्त, 1857 को माउण्ट आबू में अंग्रेज अधिकारियों पर आक्रमण कर माउण्ट आबू पर अधिकार कर लिया था।

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) जियालाल | (2) तारचन्द |
| (3) गोजन सिंह | (4) गुल मोहम्मद |

34. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर का चुनाव कीजिए:

स्थान	क्रान्तिकारी
A. धौलपुर	i. रामचन्द्र व हीरालाल
B. टॉक	ii. मामू भांजे
C. झालावाड़	iii. नासिर मोहम्मद खाँ
D. जोधपुर	iv. ठाकुर हरनाथ सिंह

कूट:

- | | | | |
|---------|-----|-----|-----|
| A | B | C | D |
| (1) i | ii | iii | iv |
| (2) iii | ii | iv | i |
| (3) iv | i | ii | iii |
| (4) i | iii | ii | iv |

35. "अर ये राजा लोग देशपति जर्मी का ठाकर है, जे सारा ही हिमालय का गल्या ही नीसराया।" कविता निम्न में से किस कवि द्वारा रचित है।

- | | |
|----------------------|----------------------|
| (1) बांकीदास | (2) सूर्यमल्ल मिश्रण |
| (3) माणिक्यलाल वर्मा | (4) रामेय राधव |

व्याख्या- सूर्यमल्ल मिश्रण ने राजस्थान के राजाओं और सामंतों द्वारा कायरता दिखाने और अंग्रेजों की गुलामी करने पर व्यग्य करते हुए यह कविता लिखी थी।

36. निम्नलिखित कथनों में से सत्य कथन हैं-

- | |
|--|
| (1) मीर आलम खाँ टॉक के नवाब वजीर खाँ के मामा थे। |
| (2) रोशन बेग 1858 में मेजर जनरल रॉबर्ट्स की सेना से लड़ते हुए मारे गए। |

(3) सुजा कँवर राजपुरोहित का संबंध बीकानेर से है।

(4) हरदयाल भटनागर का जन्म कोटा राज्य में हुआ था।

सही विकल्प का चयन करें-

- | | |
|-------------|-------------------|
| (A) 1, 3, 4 | (B) 1 व 2 |
| (C) 1 व 3 | (D) उपर्युक्त सभी |

व्याख्या- सुजा कँवर राजपुरोहित का संबंध लाडनूँ (नागौर) तथा हरदयाल भटनागर का जन्म कामां (भरतपुर) में हुआ था।

37. लोठराम जाट के बारे में निम्नलिखित में असत्य कथन नहीं है?

- | |
|---|
| (1) लोठराम निठारवाल का जन्म रींगस सीकर में हुआ था। |
| (2) लोठराम ने जवाहरजी, बालू नाई, सांखू लुहार व करणा मीणा के साथ मिलकर ढूँगरजी को आगरा के किले से रिहा करवाया। |
| (3) इनकी रींगस के ठाकुर से अनबन होने के बाद अपनी बहन के पास बठोठ में आ गए। |
| (4) इनकी मृत्यु 1855 में हो गई थी। |

- | | |
|-------------|-----------|
| (A) 1, 3, 4 | (B) 1 व 2 |
|-------------|-----------|

- | | |
|-----------|-------------------|
| (C) 1 व 3 | (D) उपर्युक्त सभी |
|-----------|-------------------|

38. मंडावा के ठाकुर ने कुछ समय के लिए तांत्या टोपे के मंडावा में शरण दी तथा धन, रसद सामग्री देकर सहायता की।

- | | |
|-----------------------|-------------------|
| (1) ठाकुर बहादुर सिंह | (2) आनन्द सिंह |
| (3) ठाकुर हरनाथ सिंह | (4) भैरोसिंह जोधा |

व्याख्या- आनन्द सिंह ने आलणिया वास के ठाकुर अजीत सिंह को भी सहायता दी थी।

39. निम्न में से कौन 1857 की क्रान्ति के समय आऊवा के युद्ध में लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुआ?

- | | |
|-------------------|--------------------------|
| (1) भैरोसिंह जोधा | (2) सुजा कँवर राजपुरोहित |
| (3) मीर आलम खाँ | (4) रोशन बेग |

व्याख्या- भैरोसिंह जोधा का जन्म 1816 ई. में जोधपुर में हुआ और ये जोधपुर राज्य के गोराओं के जागीरदार थे।

40. अक्टूबर, 1857 में किस व्यक्ति ने ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेन्ट के घर पर किए आक्रमण में सक्रिय भूमिका निभाई थी?

- | | |
|----------------------------|-----------------|
| (1) मेहराब खाँ | (2) गुल मोहम्मद |
| (3) खवास खान उर्फ एवाज खाँ | (4) गोजन सिंह |

व्याख्या- खवास खान उर्फ एवाज खाँ का जन्म 1831 ई. में कोटा में हुआ था। ब्रिटिश सरकार ने इन्हें गिरफ्तार कर मृत्युदण्ड की सजा दी, 1860 में इन्हें एजेन्सी हाउस में फांसी दी गई।